ST. MONTFORT SCHOOL, PATEL NAGAR

Report on Patriotic Song Competition

Report on Janmashtami assembly On 23 August 2024, the primary wing of St Montfort school, Bhopal celebrated Janmashtami with a vibrant and engaging special assembly which was done by class first KG II D and I A. The assembly commenced with a traditional prayer aimed to foster the cultural appreciation and spiritual reflection among the students. Students performed traditional dances and songs depicting episodes from Lord Krishna's life. A short skit illustrating the birth of Krishna and his early miracles was performed by the students. A brief presentation was given on the significance of Janmashtami, highlighting the key aspects of Krishna's life and teachings. The Janmashtami assembly was a meaningful and enjoyable celebration effectively, combining cultural expression with educational insight. The headmistress of the school, Sr Greeta addressed the students and explained the significance of the festival.

Nisha Ramchandani

मोंटफोर्ट स्कूल, पटेल नगर, भोपाल

जन्माष्टमी रिपोर्ट 23.08.24

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।

अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ।।

अर्थात भगवत गीता में प्रभु श्री कृष्ण ने कहा है कि जब-जब धर्म की हानि होती है तब- तब मैं अपने किसी न किसी रूप को रच कर प्राणियों का कल्याण करने आता हूं। भगवान कृष्ण के जीवन तथा लीलाओं से सभी छात्रों को परिचित कराने के उद्देश्य से सेंट मोंटफोर्ट स्कूल में कृष्ण जन्माष्टमी पर स्पेशल असेंबली का आयोजन दिनांक 23.08.24 को हुआ । जिसे कक्षा 1 A तथा KG2D के छात्रों द्वारा बहुत ही सुंदर रूप में प्रस्तुत किया गया। इसमें छात्रों ने कृष्ण जन्म की संपूर्ण जानकारी नृत्य नाटिका व सुंदर भजन के माध्यम से दी। इस अवसर पर कृष्ण जीवन की सुंदर झांकी प्रस्तुत कर छात्रों ने सबका मन मोह लिया । हेडमिस्टर्स सिस्ट ग्रीटा ने सभी को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी तथा कृष्ण के जीवन से सत्य का अनुसरण करने की प्रेरणा भी दी ।

उमा थोराट

सेंट मोंटफोर्ट स्कूल

जन्माष्टमी की विशेष सभा पर विवरण लेखन

जन्माष्टमी समारोह 23 अगस्त 2024 को सेंट मोंटफोर्ट स्कूल ऑडिटोरियम में मनाया गया। कक्षा तीसरी 'इ' के छात्रों द्वारा सुबह की सभा प्रस्तुत की गई । कृष्ण जन्माष्टमी भारत में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है, जो हिंदू माह श्रावण के कृष्ण पक्ष के 8वें दिन मनाया जाता है। यह भगवान कृष्ण के जन्म का प्रतीक है । यह उत्सव का अवसर सभी के लिए बहुत खुशी का स्रोत है, जिसमें जीवंत उत्सव और सार्थक परंपराएं शामिल हैं। यह सिर्फ एक त्यौहार से कहीं अधिक है। जन्माष्टमी पूरे भारत में सभी के लिए भक्ति, एकता और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रतीक है।

सभा का आरंभ छात्रों द्वारा गाए गए प्रार्थना गीत एवं विशेष प्रार्थना से हुआ। अतः विद्यार्थियों ने सुंदर लघु नाटिका प्रस्तुति के माध्यम से कंस के अत्याचारों से दुखी संपूर्ण मथुरा नगरी जिसमें वह अपनी कुटिल भावनाओं को फैला रहा था आदि का मंचन किया। देवकी एवं वासुदेव की सातों संतानों को कंस ने मार डाला था। आठवीं संतान के रूप में देवकी के गर्भ से भगवान कृष्ण अवतरित हुए। इस कथा का नाटक मंचन करते हुए छात्रों ने भगवान कृष्ण के जन्म की मनमोहक झांकियाँ प्रस्तुत की ।

आगे बढ़ते हुए छात्रों ने दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पैर थिरकाने वाला नृत्य और समूह गीत प्रस्तुत किया। अंत में ज्ञानवर्धक विचारों के साथ श्रीमती शेतल मैडम ने जन्माष्टमी उत्सव पर भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा आभार प्रकट किया गया तथा राष्ट्रगान के बाद छात्र अपनी- अपनी कक्षा में चले गए ।

सुश्री अनिता यादव